हिन्दी विभाग संगोष्ठी का विवरण

विषय - "वर्तमान समय में प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता"

विभाग - हिन्दी

तिथि - 31/07/2024

समय - 10:30 पूर्वाह्न

आयोजन स्थल - गैलरी (कमरा सं० :-03)
भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर

संसाधन पुरुष (वक्ता) -

① प्रो० डॉ० ब्रज भूषण तिवारी
② डॉ० राकेश रंजन

संयोजक -

① डॉ० दिव्या रानी
② डॉ० सुजाता कुमारी
③ डॉ० आनन्द कुमार

Scanned with OKEN Scanner

मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर विविध कार्यक्रम, वक्ताओं ने कहा

प्रेमचंद ने समाज को नयी दिशा दी

वरीय संवाददाता, भागलपुर

उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर शहर में अलग-अलग संगठनों ने बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया. ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन ने उर्दू बाजार रेकाबगंज भागलपुर के कार्यालय में जयंती समारोह का आयोजन किया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रेमचंद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गयी. कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष प्रणव कुमार ने किया. उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने लेखनी के दम पर समाज व देश को नयी दिशा प्रदान की. पूर्व जिला अध्यक्ष दीपक कुमार, डॉ जयंत जलद, शशि भारती, रवि कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये. इस मौके पर प्रियंका, रवि कुमार सिंह, ज्योति कुमारी, रितेश कुमार, हैपी, गौतम, जयंत जलद, तनुजा, राखी, पीयूष आदि उपस्थित थे.

बीएन कॉलेज आयोजित सेमिनार में उपस्थित प्रोफेसर व अन्य.

प्रेमचंद की कहानी में सामाजिक परिवेश पर जोर

भागलपुर. बीएन कॉलेज में आइक्यूएसी के बैनर तले चल रहे सेमिनार सीरीज के तहत बुधवार को हिंदी विभाग में प्रेमचंद जयंती पर संगोष्ठी आयोजित किया गया. कार्यक्रम का विषय वर्तमान समय में प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता रखा गया था. मुख्यवक्ता प्रो ब्रजभूषण तिवारी ने कहा कि प्रेमचंद को कथा सम्राट की उपाधि भागलपुर के बांग्ला लेखक शरद चंद चट्टोपाध्याय ने दिया था. डॉ राकेश रंजन ने कहा कि प्रेमचंद के प्रत्येक कहानी व उपन्यास में सामाजिक परिवेश बड़ा महत्व रखता है. उनकी सभी रचनाएं यथार्थ और सामाजिक जीवन से जुड़ी है. वहीं, कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य प्रो अशोक कुमार ठाकुर ने कहा कि साहित्य के मूल संदेश को यथार्थ परक पहली बार प्रेमचंद ने ही बनाया. प्रेमचंद ने साहित्य के माध्यम से समाज में नीति व चरित्र पर बल दिया, ताकि प्रगतिशील भारत का निर्माण हो सके. डॉ दिव्या रानी ने कहा कि प्रेमचंद के साहित्य से व्यक्ति व समाज का हित तभी संभव है, जब सभी के हित की बात करेंगे. उनका साहित्य नैतिक मूल्यों की याद दिलाता है. इस मौके पर डॉ आनंद कुमार, डॉ सुजाता कुमारी, डॉ फिरोज आलम, डॉ अंबिका कुमार आदि मौजूद थे.

प्रभात खबर
Thursday, August 1, 2024
Bhagalpur-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66aa9849eaf70705a6eeea95

Scanned with OKEN Scanner

बीएन कॉलेज के सेमिनार में आईक्यूएसी सेल में हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती पर एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

भागलपुर, सोनभद्र संवाददाता

बीएन कॉलेज में चल रहे सेमिनार सीरीज के क्रम में बुधवार को आईक्यूएसी सेल के तत्वावधान में हिंदी विभाग द्वारा "प्रेमचंद जयंती"पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी का विषय यह :-" वर्तमान समय में प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता" ।इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर अशोक कुमार ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर किया दीप प्रज्वलन के बाद प्रेमचंद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया श्रद्धा सुमन अर्पित करने वाले में इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉक्टर ब्रजभूषण तिवारी अध्यक्ष हिंदी विभाग मारवाड़ी कॉलेज डॉ राकेश रोशन अध्यक्ष सबौर महाविद्यालय हिंदी विभाग एवं हिंदी विभाग के डॉक्टर सुजाता कुमारी डॉ आनंद कुमार एवं महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने प्रेमचंद के

प्रोफेसर डॉक्टर ब्रजभूषण तिवारी ने प्रेमचंद के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया की प्रेमचंद जी को कथा सम्राट की उपाधि भागलपुर के बांग्ला लेखक शरद चंद चट्टोपाध्याय ने दिया था प्रेमचंद पर बोलना चंद्र घंटे में बड़ा दुर्लभ कार्य है। दूसरे वक्ता डॉ राकेश रंजन ने बताया कि प्रेमचंद के प्रत्येक कहानी एवं उपन्यास में सामाजिक परिवेश बड़ा महत्व रखता है और से समाज में नीति एवं चरित्र पर बोल दिया जिससे प्रगतिशील भारत का निर्माण हो सके। हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ दिव्या रानी ने कहा कि प्रेमचंद के साहित्य से व्यक्ति एवं समाज का हित तभी संभव है जब हम सभी सभी के हित की बात करेंगे सोचेंगे एवं इनका साहित्य हमें नैतिक मूल्यों की याद दिलाता है इस कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए डॉ आनंद कुमार ने कहा की प्रेमचंद के साहित्य का मुख्य विषय यथार्थवादी समाज में किसान मजदूर महिला बाल विवाह विधवा विवाह और विभिन्न समस्याएं एवं स्त्रियों को सामाजिक कुंठाओं को तोड़कर उनके खिलाफ आवाज उठाते हुए देखा जा सकता है। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुजाता कुमारी ने किया इस कार्यक्रम में डॉ०फिरोज आलम ,डॉ०अंबिका कुमार, डॉ० अमित किशोर सिंह डॉ० आशुतोष सिंह , डॉ राजेश कुमार, डॉ० मुशर्रफ हुसैन,डॉ०सरफराज

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

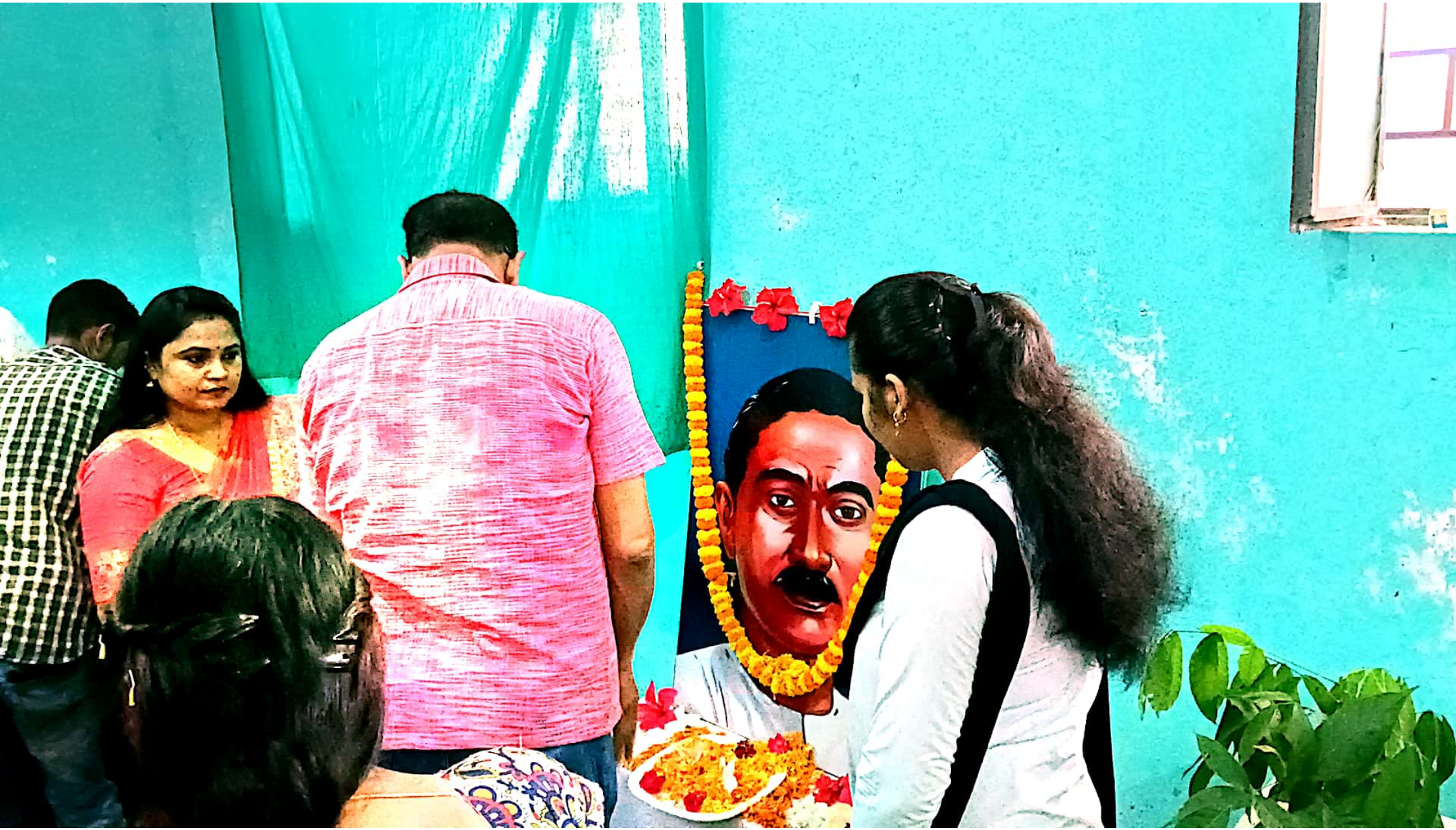

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

संगोष्ठी का विषयसार

प्रेमचंद, जिन्हें "उपन्यास सम्राट" कहा जाता है, का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के लमही गाँव में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में कई प्रसिद्ध उपन्यास और कहानियाँ लिखीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। प्रेमचंद का साहित्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने सामाजिक असमानता, गरीबी, और नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को उजागर किया। उनकी रचनाओं में अमीर-गरीब की खाई, किसानों की दशा, और नारी शक्ति जैसे मुद्दे प्रमुख थे। उनकी प्रसिद्ध रचना "गोदान" एक किसान की कहानी है जो अपनी जमीन और सम्मान को बचाने के लिए संघर्ष करता है। प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक परिवर्तन की बात करता है और व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास दिलाता है। उनकी कहानियाँ मानवता, इंसानियत और सत्य के मूल्यों को बढ़ावा देती हैं। प्रेमचंद ने नारियों के संघर्ष और उनके अधिकारों की लड़ाई को भी अपनी रचनाओं में दर्शाया है। उनका साहित्य हमें सामाजिक न्याय, मानवता और संवेदना के मूल्यों की याद दिलाता है।

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ० दिव्या रानी
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
भागलपुर नेशनल कॉलेज,
भागलपुर

डॉ० सुजाता कुमारी
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
भागलपुर नेशनल कॉलेज,
भागलपुर

डॉ० आनंद कुमार
अतिथि शिक्षक हिंदी विभाग
भागलपुर नेशनल कॉलेज,
भागलपुर

Scanned with OKEN Scanner

आई ० क्यू ० ए ० सी० के तत्वावधान में,
हिंदी विभाग , भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर
प्रेमचन्द जयन्ती के उपलक्ष पर
अंतः विषय संगोष्ठी

"वर्त्तमान समय में प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता"

विद्वान वक्ता :-

1. **(प्रो.) डॉ० ब्रज भूषण तिवारी**
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
   मारवाड़ी कालेज, भागलपुर
   विषय : "वर्त्तमान समय में प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता"

2. **डॉ. राकेश रंजन**
   विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
   सबौर कॉलेज सबौर
   विषय : "प्रेमचंद के साहित्य में सामाजिक जीवन"

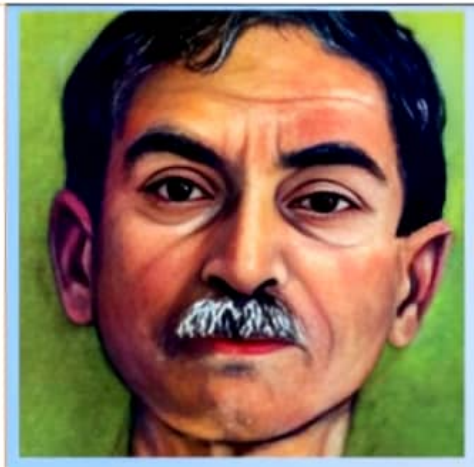

दिनांक : 31.07.2024
समय : 10.30 पूर्वाह्न
आयोजन स्थल :गैलरी
(कमरा सं० - 03)
भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर

डॉ० दिव्या रानी	डॉ० सुजाता कुमारी	डॉ० आनंद कुमार	(प्रो०) डॉ० अशोक कुमार ठाकुर	(प्रो०) डॉ० जवाहर लाल
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर	सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर	अतिथि शिक्षक हिंदी विभाग भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर	प्रधानाचार्य भागलपुर नेशनल कॉलेज, भागलपुर	'कुलपति' ति० मा० भा० वि० वि० भागलपुर
संयोजक एवं समन्वयक	संयोजक एवं समन्वयक	संयोजक एवं समन्वयक	संरक्षक	मुख्य संरक्षक

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner